PRIVATE MEMBER'S RESOLUTION - *contd...*

श्री वी. हनुमंत राव: माननीय उपसभाध्यक्ष महोदय, मैं कहने वाला था कि स्पैशली अभी तेलुगू देशम चन्द्रबाबू नायडू से पहले जो लीडर थे, एन.टी. रामाराव ने 1985 में 610 निकाला था, अब जब उनके बाद चन्द्रबाबू नायडू चीफ मिनिस्टर थे ...**(व्यवधान)**...

THE VICE-CHAIRMAN (PROF. P. J. KURIEN): You should not allege against those people who cannot come and defend themselves. ...*(Interruptions)*...

SHRI V. HANUMANTHA RAO: I am saying when he is leader ...*(Interruptions)*...

श्रीमती रेणुका चौधरी: सर, तेलुगू देशम पार्टी ...**(व्यवधान)**...

SHRI DEVENDER GOUD T.: Sir, I have a point of order. ...*(Interruptions)*...

THE VICE-CHAIRMAN (PROF. P. J. KURIEN): He has a point of order. ...*(Interruptions)*... Under what rule is it? ...*(Interruptions)*...

श्री वी. हनुमंत राव: इसी की वजह से आज तेलंगाना का ...**(व्यवधान)**...

श्रीमती रेणुका चौधरी: सर, ये बोलेंगे ...**(व्यवधान)**... ये लोग क्या कर लेंगे? ...**(व्यवधान)**...

SHRI DEVENDER GOUD T.: Rule 238 A. ...*(Interruptions)*...

THE VICE-CHAIRMAN (PROF. P. J. KURIEN): Listen to the point of order. ...*(Interruptions)*...

SHRI V. HANUMANTHA RAO: These people are saying outside ...*(Interruptions)*...

श्री देवेंदर गौड टी.: सर, ये सब कुछ गलत बोल रहे हैं ...**(व्यवधान)**... ये इस डिबेट को होने नहीं देना चाहते ...**(व्यवधान)**... इसका जवाब नहीं दिलवाना चाहते ...**(व्यवधान)**... भंग करवाना चाहते हैं ...**(व्यवधान)**...

THE VICE-CHAIRMAN (PROF. P. J. KURIEN): Let me listen to the point of order. ...*(Interruptions)*...

SHRI V. HANUMANTHA RAO: Thousands of people are ...*(Interruptions)*...

श्री देवेंदर गौड टी.: ये चले जाना चाहते हैं ...**(व्यवधान)**... ये कैसे काम कर रहे हैं ...**(व्यवधान)**... ये हमेशा तेलंगाना के लोगों के लिए ...**(व्यवधान)**... यह नहीं होना चाहिए ...**(व्यवधान)**... They are organizing this. ...*(Interruptions)*...

SHRI V. HANUMANTHA RAO: Why doesn't he come forward? ...*(Interruptions)*...

SHRI DEVENDER GOUD T.: They don't want to give reply. ...*(Interruptions)*...

THE VICE-CHAIRMAN (PROF. P. J. KURIEN): Please allow me to hear the point of order. ...*(Interruptions)*...

SHRI DEVENDER GOUD T.: Mr. Vice-Chairman, Sir, can a Member take the name of the person who is not a Member of the House? ...*(Interruptions)*... I would like to know from you. ...*(Interruptions)*...

THE VICE-CHAIRMAN (PROF. P. J. KURIEN): Mr. Hanumantha Rao, you cannot make an allegation against a person who is not here. ...*(Interruptions)*...

श्री देवेंदर गौड टी.: ये जवाब देना नहीं चाहते। ...**(व्यवधान)**... सब गड़बड़ करके चले जाना चाहते हैं। ...**(व्यवधान)**... यही माइंड में रखकर ये लोग ऐसा कर रहे हैं। ...**(व्यवधान)**... ये हमेशा ऐसा कर रहे हैं। ...**(व्यवधान)**... तेलंगाना के लोगों को ...**(व्यवधान)**...

THE VICE-CHAIRMAN (PROF. P. J. KURIEN): Let me listen to the point of order. ...*(Interruptions)*... Let me listen to the point of order. What is your point of order?

SHRI DEVENDER GOUD T.: Sir, how can they take the name of the person. ...*(Interruptions)*...

SHRIMATI RENUKA CHOWDHURY: Sir, he cannot take a political point at this juncture. ...*(Interruptions)*... Under what rule is he making it? ...*(Interruptions)*...

THE VICE-CHAIRMAN (PROF. P. J. KURIEN): Your point of order is under which rule? ...*(Interruptions)*...

SHRI DEVENDER GOUD T.: Sir, you allowed me. ...*(Interruptions)*... It is my right. ...*(Interruptions)*...

SHRI V. HANUMANTHA RAO: Let him show us the rule.

श्री देवेंदर गौड टी.: मुझे बोलने दीजिए। ...**(व्यवधान)**...

THE VICE-CHAIRMAN (PROF. P. J. KURIEN): What is the rule?

SHRI DEVENDER GOUD T.: Sir, it is rule 238 A.

श्रीमती रेणुका चौधरी: सर, ...**(व्यवधान)**... नकाब हटाओ और इसकी असली शक्ल देखो। ...**(व्यवधान)**...

SHRI DEVENDER GOUD T.: Sir, Mr. Vice-Chairman, time and again, the hon. Member is taking the name of a person who is not a member of this House. ...*(Interruptions)*... How can he do so? Again and again, he is taking his name. ...*(Interruptions)*...

SHRI V. HANUMANTHA RAO: Sir, their leader*

SHRI DEVENDER GOUD T.: Sir, he is taking the name. ...*(Interruptions)*...

SHRI Y. S. CHOWDARY: Sir, they are unnecessarily. ...*(Interruptions)*...

THE VICE-CHAIRMAN (PROF. P. J. KURIEN): No, no. ...*(Interruptions)*... Mr. Hanumantha Rao, don't take the name of the Member who cannot come here and defend his case. ...*(Interruptions)*... Don't take the name like that. ...*(Interruptions)*...

श्री देवेंदर गौड टी.: सर, गवर्नमेंट सही नहीं बताती है। ...(**व्यवधान**)... उसकी वजह से ये लोग यह सब कह रहे हैं। ...(**व्यवधान**)...

THE VICE-CHAIRMAN (PROF. P. J. KURIEN): I have given my ruling. Such names will be expunged, ...*(Interruptions)*... Such names will be expunged.

SHRI V. HANUMANTHA RAO: Sir, ...*(Interruptions)*... the Chief Minister, and, after that, the TDP President. ...*(Interruptions)*... Why has he not implemented? ...*(Interruptions)*...Otherwise, today, Telengana issue is not ...*(Interruptions)*... Sir, since you say, as courtesy to the Andhra leader ...*(Interruptions)*... You see our sentiments. ...*(Interruptions)*... On 7th December, the Leader of the Opposition ...*(Interruptions)*... not supported, then, on 9th December, the statement would not have come, Sir. Only after that, it has gone to the grassroot level. ...*(Interruptions)*... We can't go to the villages, Sir. Every body has got sentiments. ...*(Interruptions)*... My point is ...*(Interruptions)*...

THE VICE-CHAIRMAN (PROF. P. J. KURIEN): Go to your seat. ...*(Interruptions)*... Go to your seat. ...*(Interruptions)*...

SHRI V. HANUMANTHA RAO: Other States are ...*(Interruptions)*... It is not a separate issue. Telengana issue is separate. ...*(Interruptions)*... My point is that everybody can ...*(Interruptions)*...

THE VICE-CHAIRMAN (PROF. P. J. KURIEN): No, no. ...*(Interruptions)*... Please. ...*(Interruptions)*... Go to your seat. ...*(Interruptions)*...

SHRI V. HANUMANTHA RAO: Let there be a consensus. ...*(Interruptions)*... Let the TDP also support the issue. ...*(Interruptions)*... I request ...*(Interruptions)*...

THE VICE-CHAIRMAN (PROF. P. J. KURIEN): Please go to your seat. ...*(Interruptions)*...

SHRI V. HANUMANTHA RAO: Two issues were raised, Sir. ...*(Interruptions)*... Sir, one is Telengana, and, in 1972, separate Andhra ...*(Interruptions)*... उपसभाध्यक्ष जी, मैं आपसे यह कहना चाह रहा हूं कि तेलंगाना का इश्यू आया और सेपरेट आन्ध्र का

*Not recorded.

भी इश्यू आया। दो इश्यूज़ आए। ...**(व्यवधान)**... इस इश्यू को आगे बढ़ाया गया। उसके बाद आन्ध्र में भी मूवमेंट चला। उसके बाद ...**(व्यवधान)**... सर, उसके बाद आज तेलंगाना में सेटलमेंट हो गया। ...**(व्यवधान)**... 7 दिसम्बर को टी.डी.पी. लीडर, टी.डी.पी. पार्टी ...**(व्यवधान)**... You can support the Telengana issue in the Assembly, we want to support ...*(Interruptions)*... Our Home Minister has given a statement, Sir. ...*(Interruptions)*... After that what happened, in Andhra, there is a big movement. There was the Srikrishna Committee. ...**(व्यवधान)**... यह श्रीकृष्णा कमेटी क्या है, सर. ...**(व्यवधान)**... उसने एक sample दिया। आप दाल लेना चाहते हैं, चावल लेना चाहते हैं, लेकिन वह दिया ही नहीं। ...**(व्यवधान)**... श्रीकृष्णा कमेटी की रिपोर्ट के बारे में हमारे जनरल सेक्रेटरी, श्री गुलाम नबी आज़ाद ने भी बोला है कि यह गलत रिपोर्ट है। श्रीकृष्णा कमेटी का क्या मतलब है? ...**(व्यवधान)**... तेलंगाना दो या नहीं दो। ...**(व्यवधान)**... अब नौजवानों में यह फीलिंग आ गई ...**(व्यवधान)**... असल बात तो यह है कि वे तीन-चौथाई हैं और हम एक-चौथाई हैं। ...**(व्यवधान)**... हमारा कुछ नहीं चलता है, तीन-चौथाई वाले का ही चलता है। ...**(व्यवधान)**... जिसका अपर हैण्ड होता है, उसी का चलता है। ...**(व्यवधान)**... मैं चाहता हूं कि अगर तेलगू देशम पार्टी वाले भी इसमें सपोर्ट करेंगे, तो हम भी कांग्रेस के हाईकमान से हिम्मत करके बोलेंगे कि तेलंगाना बनना चाहिए, लेकिन इन लोगों के डबल गेम खेलने के कारण वहां नौजवान मर रहे हैं, बच्चे मर रहे हैं। आज हम वहां किसी गांव में नहीं जा सकते हैं। जिसका बेटा मर गया, जिसकी बहन मर गई, उनका क्या हालत होता होगा? ...**(व्यवधान)**...

THE VICE-CHAIRMAN (PROF. P. J. KURIEN): There are a large number of speakers. ...*(Interruptions)*... Hanumantha Rao ji, there are a large number of speakers. ...*(Interruptions)*...

श्री वी. हनुमंत राव: सर, आन्ध्र के नौजवान लीडर्स भी बोल रहे हैं कि तेलंगाना देना है, तो दे दो। इससे वह भी डेवलप हो सकता है। ...**(व्यवधान)**... मैं चाहता हूं कि आन्ध्र के लीडर्स भी मदद करें, इसका कोई solution हो। अगर political parties मदद करेंगी, तो कुछ मसला हल होगा, नहीं तो ऐसे ही चलता रहेगा, ऐसे ही लोग मरते रहेंगे। ...**(व्यवधान)**...

THE VICE-CHAIRMAN (PROF. P. J. KURIEN): There are many speakers. ...*(Interruptions)*...

श्री नरेन्द्र बुढ़ानिया (राजस्थान): सर, इनको बोलने दिया जाए। ...**(व्यवधान)**...

THE VICE-CHAIRMAN (PROF. P. J. KURIEN): Your name is also there. ...*(Interruptions)*...

SHRIMATI MAYA SINGH (Madhya Pradesh): Sir, the Chair has become helpless. ...*(Interruptions)*... यूपीए सत्ता पक्ष का जिस तरीके का व्यवहार है, उसमें Chair helpless है। यहां सब शांति से बैठे हैं और वहां इस तरीके का दंगल हो रहा है। सर, पहले आप हाऊस को ऑर्डर में लाइए। ...**(व्यवधान)**... सर, यह हमारे लिए shameful स्थिति है। ...**(व्यवधान)**...

श्रीमती रेणुका चौधरी: सर, आप तेलंगाना का issue बाद में लाए हैं। ...**(व्यवधान)**...

श्री वी. हनुमंत राव: सर, ...**(व्यवधान)**...

THE VICE-CHAIRMAN (PROF. P. J. KURIEN): I have given the floor to Mr. Basawaraj Patil. ...*(Interruptions)*... Your time is over. ...*(Interruptions)*...

श्री वी. हनुमंत राव: सर, जब 1953 में हैदराबाद में कांग्रेस का सेशन हुआ था, उस सेशन में स्वामी रामानन्द तीर्थ हैदराबाद को अलग करने के लिए बोले, तब पंडित जी बोले ...**(व्यवधान)**...

उपसभाध्यक्ष (प्रो. पी. जे. कुरियन): ठीक है, ...**(व्यवधान)**... Your time is over....*(Interruptions)*...

श्री वी. हुनमंत राव: सर, ...**(व्यवधान)**...

THE VICE-CHAIRMAN (PROF. P. J. KURIEN): I have called Mr. Basawaraj Patel. ...*(Interruptions)*...

SHRI P. RAJEEV (Kerala): Sir, ...*(Interruptions)*... Sir, earlier there is a ...*(Interruptions)*...

श्री बसावाराज पाटिल (कर्नाटक): माननीय उपसभाध्यक्ष जी, मैं पहली बार ...**(व्यवधान)**...

श्री वी. हनुमंत राव: सर, जितने भी नौजवान मर रहे हैं, उनके बारे में सोचना चाहिए। ...**(व्यवधान)**...

THE VICE-CHAIRMAN (PROF. P. J. KURIEN): No, no, I have called him. I have called Mr. Basawaraj Patel. ...*(Interruptions)*...

SHRI RAJIV PRATAP RUDY (Bihar): Sir, are you the Chair or is she the Chair? ...*(Interruptions)*... Who is the Chair, Sir? ...*(Interruptions)*... Are you the Chair? ...*(Interruptions)*...

उपसभाध्यक्ष (प्रो. पी. जे. कुरियन): रेणुका जी, आप बैठिए। ...**(व्यवधान)**...

श्री वी. हनुमंत राव: सर, ...**(व्यवधान)**...

उपसभाध्यक्ष (प्रो. पी. जे. कुरियन): आप बैठिए। ...**(व्यवधान)**... हनुमंत राव जी, आप बैठिए। ...**(व्यवधान)**...

श्री मोहम्मद अली खान: सर, इनको बोलने दीजिए। ...**(व्यवधान)**...

THE VICE-CHAIRMAN (PROF. P. J. KURIEN): No, no, I have called him. I have called Mr. Basawaraj Patel. ...*(Interruptions)*... I have called Shri Basawaraj Patil. ...*(Interruptions)*... You cannot speak like that. ...*(Interruptions)*... I will have to take action against you. ...*(Interruptions)*... Don't speak like that. ...*(Interruptions)*... I will have to take action against you. ...*(Interruptions)*... You take your seat. ...*(Interruptions)*... You take your seat. ...*(Interruptions)*... It is a Private Member's

Bill. ...*(Interruptions)*... Shri Basawaraj Patil. आप बैठिए, बसावाराज पाटिल को टाइम दे दिया है। Should I name you? ...*(Interruptions)*...

श्री बसावाराज पाटिल: माननीय उपसभाध्यक्ष महोदय, आदरणीय जावडेकर जी ने एक महत्वपूर्ण विषय को 4 मई से छेड़ा है। यह एक महत्वपूर्ण बिल चर्चा के लिए आया है। दो साल पहले जिस समय तेलंगाना में आठ दिन से सारी व्यवस्थाएं ठप्प पड़ी थीं, तब एक दिन मध्य प्रदेश के इन्दौर से कॉलेज के एक विद्यार्थी पुनित का फोन आया, उस विद्यार्थी ने मुझसे पूछा, पाटिल जी, अगर इस प्रकार का एज़िटेशन देश में चलेगा तो क्या देश की एकता रहेगी? उस बच्चे के मन में इस प्रकार की वेदना थी, थोड़े समय के लिए मुझे भी जवाब देने में थोड़ा कष्ट हुआ, फिर भी मैंने उस बालक से कहा कि अगर कल किसी न किसी कारण से जैसे कुछ समय पहले तीन नए राज्यों का गठन हुआ था, वैसा ही अगर तेलंगाना बनेगा तो देश की अखंडता को कोई क्षति नहीं होगी। यह बात मैंने उसको बताई। इसके सपोर्ट में मैंने यह भी कहा कि जब देश आजाद हुआ तो उस समय 600 से ज्यादा छोटे-छोटे राज्य थे। उस समय देश की जनसंख्या 40 करोड़ थी। आज लगभग 125 करोड़ की जनसंख्या है। अगर देश की अखंडता रखने के लिए जरूरत पड़ेगी तथा अगर हमें और नए 10-20 राज्यों का गठन करना पड़े, करना चाहिए। आदमी की भावनाएं, रहन-सहन, संस्कृति, कल्चर एक इस प्रकार का होता है, उसे हम कितनी भी कोशिश करने पर बदल नहीं सकते हैं। हमारे कर्नाटक के अंदर एक छोटा सा कुर्ग नाम का जिला है, इसमें केवल तीन तहसील हैं। लेकिन वे आज भी मांग करते हैं अपने सांस्कृतिक जीवन की रक्षा के लिए, हमारा पृथक राज्य होना चाहिए।

SHRI P. RAJEEVE: Sir, why is there a running commentary? It is against the Rules?

श्री बसावाराज पाटिल: उसी प्रकार आज उसी तेलंगाना से निजाम के राज्य से जुड़े हुए हम लोग, उसी प्रदेश के माननीय मंत्री जी यहां पर बैठे हुए हैं। जो वहां पर धारा-371 की बातचीत चल रही है, आज वहां के 5 जिले के लोग तरस रहे हैं। अगर सरकार समय पर जो बात कहती है, उस पर नहीं चलती है, तो वहां पर संघर्ष होते हैं, एज़िटेशन होता है, खूनखराबा होता है। इसीलिए जिस प्रकार सरकार ने हैदराबाद, कर्णाटक के उन 5 जिलों के लिए धारा-371 के अन्दर भारत सरकार ने करने का निर्णय लिया है, मैं सरकार से मांग करता हूं कि वह निर्णय को जल्दी लागू करे, नहीं तो तेलंगाना जैसी स्थिति हैदराबाद व कर्णाटक में न आए, यह हम प्रार्थना करते हैं। साथ ही साथ तेलंगाना के लोग कितने लम्बे समय से लड़ रहे हैं। अब पुराना पन्ना खोलने से कुछ चलने वाला नहीं है। बीता हुआ इतिहास बीत गया है। जो लोग जिम्मेदार हैं उनको ही निर्णय लेना पड़ेगा या कोई और दूसरा है, तो उनको निर्णय लेना होगा, क्योंकि उनकी जिंदगी के साथ ज्यादा समय के लिए खिलवाड़ करना इतिहास के पन्ने के अंदर भयंकर भूल होगी। इस भूल की पुन: शुरूआत न हो, इसलिए मैं सरकार से विनती करता हूं कि बिना देरी किए सभी पार्टियों की सहमति

लेते हुए सारे देश के हित में और, ...। उस तेलंगाना क्षेत्र में, जहां 700 से ज्यादा लोगों ने अपना बलिदान दिया है और वहां हजारों-करोड़ों रुपए की संपत्ति बर्बाद हो चुकी है, इसे गंभीरता से लेते हुए, अगर वहां के लोगों की तकलीफों को दूर करना है, तो जल्दी-से-जल्दी इस विषय में निर्णय लेना बहुत आवश्यक है। साथ ही मैं यहां बैठे सरकार के मंत्री जी से भी यह निवेदन करता हूं कि आप चाहें या न चाहें, कल एक दिन ऐसा आएगा जब देश के अंदर छोटे-छोटे राज्यों के पुनर्गठन के बारे में सरकार को विचार करना पड़ेगा। इन बातों को आप ध्यान में रखें और ऐसी स्थिति देश में न आए, आज भयंकर आग में झुलस रहे तेलंगाना क्षेत्र के बारे में सरकार बहुत जल्द निर्णय ले ताकि वहां जिस तरह से आग की भट्ही के अंदर तेलंगाना क्षेत्र के लोग झुलस रहे हैं, उनको न्याय मिले। इसी के साथ-साथ निजाम के समय से पुराने तेलंगाना से जुड़ा कर्नाटक प्रदेश, जहां मैं रहता हूं, हमारे भी उसमें पांच जिले हैं, लेकिन हमने अलग राज्य की मांग नहीं की है। महोदय, वहां संविधान की धारा 371 के अंतर्गत सरकार के लोगों को कुछ सुविधाएं देने की मांग कही गयी है, अगर लोगों को उन सुविधाओं के मिलने में विलम्ब होगा, तो और भी तकलीफ होगी।

महोदय, वहां के लोगों की मांग सरासर न्यायसंगत है। इसलिए हम एक-दूसरे के ऊपर अनावश्यक आरोप न लगाते हुए, इसे अनावश्यक राजनीति का मसला न बनाते हुए और वहां के लोगों की जानों के साथ खेल न करते हुए, आदरणीय प्रकाश जावडेकर जी ने जो यह एक महत्वपूर्ण बिल पेश किया है, सरकार उसके ऊपर positive रूप से गंभीरतापूर्वक विचार करे। हम सरकार से मांग करते हैं कि वह स्वयं एक बिल लाए और दोनों सदनों में वह बिल पास करके आज जो एक विचित्र स्थिति हमारे देश में निर्मित हुई, उसे समाप्त करने का पवित्र कार्य, पुण्य कार्य व श्रेष्ठ कार्य यू.पी.ए. की सरकार करे और देश के अंदर एक अच्छा इतिहास निर्मित करे। मैं और वैसी अनावश्यक बात न करते हुए, क्योंकि ऐसी प्रासंगिक घटना के कारण, अगर हम हाउस की मर्यादा को गिराकर बात करेंगे तो कल न्यायसम्मत बात पर भी हाउस में ऐसी समस्याएं खड़ी होंगी।

इसलिए, माननीय उपसभाध्याक्ष जी, मैं हाउस से अपील करूंगा कि माननीय सदस्य इस चर्चा में गंभीरता बनाए रखें। मैं आपसे यह मांग जरूर करूंगा कि इस विषय में जो भी निर्णय हो, लेकिन विषय की गंभीरता में कमजोरी नहीं आनी चाहिए। मैं एक बार फिर सदन से विनती करता हूं कि तेलंगाना प्रदेश की मांग जायज़ है। अब इससे ज्यादा बलिदान की मांग करना इतिहास के पन्नों में केवल एक पार्टी की भूल नहीं होगी, वह सारे देश की भूल होगी। अगर किसी ने गलती की है, तो उसे रटने से कुछ नहीं होने वाला है। आज जिन के हाथों में यह जिम्मेदारी है, वे उसे हिम्मत से निभाएं। हम उनका साथ देने के लिए तैयार हैं।

मैं इतना ही कहते हुए, आपने मुझे जो बोलने का अवसर दिया, आपको धन्यवाद देते हुए, अपनी बात समाप्त करता हूं।

SHRI Y. S. CHOWDARY (Andhra Pradesh): Sir, I rise to speak on the current scenario in Andhra Pradesh. ...*(Interruptions)*... Sir, the entire world knows that Andhra Pradesh was growing until 2004 at the highest speed and it took its

position on the world map, especially during the regime of Telugu Desam Government, as a progressive State of India. ...*(lnterruptions)* Similarly, every one of us knows the present sad state of Andhra Pradesh. Leaving apart social development, industrial growth has come to a grinding halt. ...*(Interruptions)*...

SHRI RAJIV PRATAP RUDY: Sir, you have to conduct this House as per the rules. ...*(Interruptions)*... Sir, I am on point 2.3 (xxv) of Parliamentary Etiquette. And, here is a Member who has been repeatedly doing that. "A Member should not interrupt any Member who is speaking by making noises in any other disorderly manner." It is not desirable in the House. There are Members here who are making this repeatedly. Number one. ...*(Interruptions)*... Again she is trying to disturb the House. Second, "Member should not read any periodical or magazine in the House." She was reading that. Third, Sir, "Members should not converse among themselves as to disturb the proceedings of the House." Now, if this is the situation, a senior* very well proves that the Congress Party is not interested in having the State of Telangana. I think, you will take control of the House and take control of the Members who disobey all these directions from the Chair.

THE VICE-CHAIRMAN (PROF. P. J. KURIEN): In fact, I am very happy to hear that from this side. But this standard ...*(Interruptions)*... Please, please, please. As the Chair, I would be very, very happy if this standard is extended to other business also, not only on private Resolution also. However, I uphold what Mr. Rudy has said. Every Member, not only from this side, but from other side also should keep the dignity ...*(Interruptions)*... Please, Mr. Rudy, you are doing the same thing. ...*(Interruptions)*... Let me say. No, please, no, please. ...*(Interruptions)*... I am giving my ruling. You allow me to speak. ...*(Interruptions)*... You allow me to speak. ...*(Interruptions)*... Renukaji, you allow me to speak. ...*(Interruptions)*... Renukaji, you allow me to speak. One second. ...*(Interruptions)*...

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI RAJEEV SHUKLA): This observation about a woman is not correct. He should apologise.

SHRI RAJIV PRATAP RUDY: What observation? Since 45 minutes I have been seeing this. ...*(Interruptions)*...*

SHRI RAJEEV SHUKLA: No, you can't make a comment about a woman Member.

SHRI RAJIV PRATAP RUDY: I am not making a comment. I am seeking a direction from the Chair. ...*(Interruptions)*... Now you got up. ...*(Interruptions)*... She has been disturbing the House for 45 minutes. ...*(Interruptions)*...

---

*Expunged as ordered by the Chair.

SHRIMATI RENUKA CHOWDHURY: We are making an impassioned plea. ...*(Interruptions)*... We are for Telangana. We have said it on record and we have exposed what the BJP did. They were in power for five years. They were having a Deputy Prime Minister. They never talked about Telangana, not once. When they are telling untruths in Parliament, it is my business, as a representative from Telangana, to set the record straight. For him to make a personal remark which is denigrating to my status as a woman is not acceptable.

डा. विजयलक्ष्मी साधौ (मध्य प्रदेश): सर, एक माननीया सदस्या, महिला मेम्बर के लिए ...**(व्यवधान)**... जो उन्होंने बात की है, इसके लिए उन्हें सदन में महिला मेम्बर से माफी मांगनी चाहिए। ...**(व्यवधान)**...

THE VICE-CHAIRMAN (PROF. P. J. KURIEN): If there is anything derogatory about the hon. lady Member, that will be expunged. I will look into the record and that will be expunged. ...*(Interruptions)*... Apology or no apology that is between you and her. That is not my job. Now, the point is ...*(Interruptions)*... Let me say one point. I am very happy to hear the point being mentioned by Mr. Rudy, I expect that the same standard of behaviour will be extended to other business also, not just confined to this business. Okay. ...*(Interruptions)*...Mr. Chowdary, please proceed.

SHRI P. RAJEEVE: Sir, I want to raise a point. Actually, today, on 18th May, I have got the first lot for moving the Private Member's Resolution. This is further consideration of a Private Member's Resolution. Earlier there was a ruling by the Chairman that the Private Member's Resolution should be concluded within two hours and it should be concluded on the same day. Actually, my Resolution should be taken up today itself as per the earlier ruling of the Chair. I want a ruling on when my Resolution will be taken up.

THE VICE-CHAIRMAN (PROF. P. J. KURIEN): The point is this. Yes, normally, it is like that. Of course, it is subject to the decision of the House also. This House can decide. I have the names of 14 speakers before me. If the House so desires, I have no objection. All parties have given the names. Fourteen names are there. ...*(Interruptions)*... Let me complete.

प्रो. अलका क्षत्रिय (गुजरात): सर, यहां पर कुछ जलने की बदबू आ रही है ...**(व्यवधान)**...

कुछ माननीय सदस्य: हमको नहीं आ रही है ...**(व्यवधान)**...

प्रो. अलका क्षत्रिय: आप यहां आकर देखिए ...**(व्यवधान)**.... आप मज़ाक समझ रहे हैं, मैं मज़ाक की बात नहीं कर रही हूं। यहां कुछ smell आ रही है, आप यहां आकर देखिए ...**(व्यवधान)**...

SHRIMATI RENUKA CHOWDHURY: Someone should take due precaution. ...*(Interruptions)*...

प्रो. अलका क्षत्रिय: आप यह समझ रहे हैं कि हम मज़ाक कर रहे हैं, हर बात मज़ाक में नहीं होती है ...**(व्यवधान)**...

श्री पुरूषोत्तम खोडाभाई रूपाला (गुजरात): सर, हाउस रोककर check करवाइए ...**(व्यवधान)**...

प्रो. अलका क्षत्रिय: सर, आप check करवाइए कि क्या है ...**(व्यवधान)**...

THE VICE-CHAIRMAN (PROF. P.J. KURIEN): Is there something burning? ...*(Interruptions)*... Please check.

The House is adjourned for fifteen minutes.

The House then adjourned at forty-seven minutes past three of the clock.

The House reassembled at four of the clock,

THE VICE-CHAIRMAN (PROF. P. J. KURIEN) in the Chair

श्रीमती रेणुका चौधरी: सर, यहां बहुत बदबू है। We are not able to sit here. ...*(Interruptions)*...You people are so ambitious to sit this side तो आप यहां आकर सूंघ लीजिए। ...**(व्यवधान)**...

THE VICE-CHAIRMAN (PROF. P. J. KURIEN): Has it not been rectified?

SHRIMATI RENUKA CHOWDHURY: It still smells. A lizard has got fried in that.

THE VICE-CHAIRMAN (PROF. P. J. KURIEN): Is there smell again?

SHRIMATI RENUKA CHOWDHURY: Yes, Sir. They have to clean it. It is such a dirty smell. A lizard has got fried in that.

THE VICE-CHAIRMAN (PROF. P. J. KURIEN): Then I can adjourn the House for 15 minutes. The House is adjourned for 15 minutes.

The House then adjourned at two minutes past four of the clock.

The House re-assembled at seventeen minutes past four of the clock,

THE VICE-CHAIRMAN (PROF. P. J. KURIEN) in the Chair.

SHRI Y. S. CHOWDARY: Sir, I rise to speak on the burning issue of Andhra Pradesh. The entire world knows that Andhra Pradesh was growing until 2004 at the highest rate of growth, which took its position on the world map, especially, during the regime of the Telugu Desam Government, as a progressive State of India. Similarly, every one of us knows the present sad state of Andhra Pradesh. Leaving apart social development, the industrial growth has come to a grinding halt. The I.T. and commodity exports have come to the lowest level. There is, absolutely, no governance in Andhra Pradesh ...*(Interruptions)*...

SHRIMATI RENUKA CHOWDHURY: This is, factually, incorrect. We cannot accept such a statement going on record.

SHRI Y. S. CHOWDARY: That is a fact and everyone knows ...*(Interruptions)*...

SHRIMATI RENUKA CHOWDHURY: He is not aware of the growth ...*(Interruptions)*... Recently the Government of Andhra Pradesh has signed an MoU worth several crores of rupees.

SHRI Y. S. CHOWDARY: She is not a part of the Andhra Pradesh Government. Sir, while, on the one hand, farmers' suicides are going on, on the other hand, many young students are committing suicides for a separate Statehood. But the Federal Government is quietly sitting as a spectator, which is a fact. What sin did the people of Andhra Pradesh commit to suffer the present situation? Some of my colleagues have expressed my views in this august House that the issue of Telengana, which has been boiling for several decades, cannot be ignored and a decision must be taken on the same immediately. While totally agreeing with their view, I would like to ask whether the approach of the Government is correct or not in dealing with a sensitive issue like the division of the State. In this connection, I would like to remind this august House about a few historical events.

Post-independence, while forming the Republic of India, several deliberations/ agitations took place, which include appointment of Dhar Committee, appointment of SRC for forming linguistic States. Finally, I am told, the then democratically elected, our first hon. Prime Minister, Pandit Nehruji, has taken a decision by consulting Sardar Vallabhbhai Patel, and Shri Pattabhi Sitaramayya. Again, this issue surfaced during 1969-72, the then elected Prime Minister, Shrimati Indira Gandhi, who told in her reply to a Bill on 21.12.1972, in Lok Sabha, on issues involving separation of States. I would like to quote a few lines from that enlightening speech: "Matters which involved regional feelings quite often do arouse the emotions of the people in this country, as in many other countries, and we certainly cannot ignore the emotions of the people. But I should like to stress that no solution can be found while the atmosphere remains charged with emotions. Any solution, any answer has to be found in a very cool, calm and rational manner." My second point is, there are some things which are part of our national life. It is true that the question of linguistic States was very much a part of the national movement. There was no getting away from it. The units of every party, which was in existence at a time, were formed on the basis of language in spite of the British Provinces having different areas. There is an overall rationality in the formation of our various States and we should be very careful not to break this foundation of rationality in momentary passions. I am sure that no Telugu speaking person whether he lives in the coastal region or in Rayalaseema or in Telangana

will ever do anything even in anger or in desperation, which is not in the larger interest of their entire State, and also in the interest of the country as a whole. At the same time, under Article 371 D, a Presidential order was issued. In order to save the time of the House, I do not want to repeat the points. Sir, wisdom lies in bringing down the emotions and not in arousing emotions for political considerations. I am appealing, through you, to all, especially to the Congress, to be wise enough to go through, if, at all, they suffer from any confusion. Sir, recently, the hon. Home Minister, Shri Chidambaram, while replying on this issue, stated that if all the political parties can come to unanimity, the Centre is ready for having a decision on an issue. I strongly object to this as political unanimity cannot be the guiding principle for a decision on an issue relating to the division of a State. In a federal structure, it is the responsibility of the Centre to formulate policies and draw priorities on various issues in the interest of the entire country. Sir, I am getting an impression from the approach of this Government that if political unanimity is possible, will we be ever ready to surrender the independence of this country? ...*(Interruptions)*... That is the fact. You cannot stop. ...*(Interruptions)*...

SHRIMATI RENUKA CHOWDHURY: I can make a point of order.

SHRI Y. S. CHOWDARY: I have got the same right as you have got.

SHRIMATI RENUKA CHOWDHURY: What is the prescription to divide this country? On what basis? You are talking about 'political unanimity'. I have never heard of any such thing. ...*(Interruptions)*...

THE VICE-CHAIRMAN (PROF. P. J. KURIEN): One second, please. ...*(Interruptions)*...

SHRI PRAKASH JAVADEKAR: You go to your seat.

SHRIMATI RENUKA CHOWDHURY: I don't have a seat.

THE VICE-CHAIRMAN (PROF. P. J. KURIEN): Renukaji, what is your objection?

SHRIMATI RENUKA CHOWDHURY: My objection is...

SHRI PRAKASH JAVADEKAR: She has to go to her seat.

SHRIMATI RENUKA CHOWDHURY: I don't have a seat because a seat has not yet been allotted to me. Sir, you are the Chairman....

THE VICE-CHAIRMAN (PROF. P. J. KURIEN): You have to go to your seat and speak. If you have no number, then, what is your objection?

SHRIMATI RENUKA CHOWDHURY: My seat will be allotted after the House concludes! Sir, you know that.

SHRI PRAKASH JAVADEKAR: You have been allotted a seat. You have to go to your seat and, then, speak.

SHRIMATI RENUKA CHOWDHURY: Okay, you come and tell me which is my seat.

SHRI PRAKASH JAVADEKAR: You should ask the Secretary-General.

SHRIMATI RENUKA CHOWDHURY: There is no seat allotted to me. We are new Members. आप क्या बात कर रहे हैं?

THE VICE-CHAIRMAN (PROF. P. J. KURIEN): What is your objection? ...*(Interruptions)*...

SHRIMATI RENUKA CHOWDHURY: Sir, my objection is, he is saying that political unanimity is not a reason enough to delay ...*(Interruptions)*...

THE VICE-CHAIRMAN (PROF. P. J. KURIEN): That is his view ...*(Interruptions)*...

SHRIMATI RENUKA CHOWDHURY: Sir, I am giving my view.

THE VICE-CHAIRMAN (PROF. P. J. KURIEN): I will allow you to speak.

SHRIMATI RENUKA CHOWDHURY: They are advocating Telangana. Why cannot his party give its party line?

THE VICE-CHAIRMAN (PROF. P. J. KURIEN): I will allow you to speak ...*(Interruptions)*... Then you can say...*(Interruptions)*... You need not reply to that. You continue ...*(Interruptions)*...

SHRI Y. S. CHOWDARY: Sir, it is in the knowledge of everyone that this Government appointed Justice Srikrishna Commission on this issue and the Commission submitted its Report after taking views of all the stakeholders. If that being the fact, what else this Government wants to know from the parties? What is the stand of the Government on the Report given by the Commission? If the Government is under any confusion on the issue of Telangana, it has the benefit of the Report of a Commission at its disposal and the Government is duty bound to tell this nation, and the people of Andhra Pradesh in particular, as to why it is not in a position to take any decision on this issue.

Sir, after submission of Report by Justice Srikrishna Commission, some new parties came into existence in Andhra Pradesh. I would like to know from the

Government whether it intends to reopen the entire exercise in the name of political unanimity. Can there be an end for this as another party may come into existence before such an exercise is completed? Therefore, this Government should not harp on lame excuses of lack of political unanimity and must come out immediately with a solution, thus ending the prevailing uncertainty.

Sir, I would like to appreciate the efforts made by my colleague, Shri Javadekar, to find a solution for this boiling issue through his Private Member's Resolution in this House. While I do not have any doubt about his sincerity on the subject, I wonder as to why NDA failed to act on this issue when they were in power ...*(Interruptions)*... Undoubtedly, Shri Javadekar and BJP owe an answer to this nation and the State of Andhra Pradesh on this.

Sir in 2004 elections, Congress started its campaign with a promise of separate Telangana. But, at the end of 2009 election campaign, their own Chief Minister sought a clarification from people of coastal Andhra and Rayalaseema as to whether they would like to enter Telangana with a visa by not voting in favour of Congress. This clearly spelt out that the Congress has all along been dealing with this issue keeping in mind power politics and never shown sincerity for any honest resolution of the issue.

Sir, in fact, during 1984 August political disturbances in Andhra Pradesh, our great party founder, Shri N.T. Rama Rao, preferred to dissolve the State Assembly and go in for reelection in order to implement the policies which he believed are in the interest of the people of Andhra Pradesh. He never compromised on anything just for the sake of sitting in power.

Sir, similarly, I would like to mention that even during 1991, when our country's economic situation was extremely bad, our great leader, Shri P. V. Narasimha Rao Garu, had brought out economic reforms by managing minority Government, but he never compromised on his policies for the sake of power. But, irrespective any political parties, they have been using the issue of Telangana as a political weapon for getting only political benefits.

Sir, lack of wisdom is no sin, but disrespecting the wisdom shown by our great elders is, indeed, a sin. After Independence, our elders in their own wisdom, thought that reorganisation of the States on linguistic lines can be a better solution for so many socio-political issues faced by the country. Therefore, I request the Government to find a solution to this issue taking into account all these historical facts. Finally, what is it that our State, or the people of Telangana, are requesting for? Even article 370D mentions so many privileges; but none of Governments have ever bothered to follow the Presidential

[SHRI Y. S. CHOWDARY]

amendment to the Constitution also. In fact, based on the population, they have requested for about 40 per cent reservation, integration of rivers, preservation of culture, and for declaring certain industrial corridors. Even if the Government of India could allot some industrial corridors to the Telangana region, most probably, most of the people may get jobs and this unrest may be contained.

Sir, enough damage has already been done due to indecisiveness of the Government on this sensitive issue. Therefore, I appeal to the Government to immediately announce a decision on this issue, keeping the larger interest of the country in view, rather than acting for petty political interests. The UPA Government is entirely responsible for the present state of affairs in Andhra Pradesh. The Government must immediately take a decision either about united Andhra or, otherwise, in the interest of a separate State of Telangana, because, already, enough time has been lost; many students have committed suicide; and there is a huge political unrest there; we must put a fulhstop to all this. I am not here to blame any political party. But Parties after Parties have been using this as a weapon in order to get some political mileage. We have to put a full-stop to this.

श्री मोहम्मद अली (आन्ध्र प्रदेश): उपसभाध्यक्ष जी आपका बहुत-बहुत शुक्रिया, आज तेलंगाना के मसले पर इस राज्य सभा में एक बहस हो रही है। तेलंगाना मसला पचास सालन की एक तारीख रखता है। तेलंगाना का सबसे बड़ा मसला पसमान्दगी, मुलाजिमतों में नाइंसाफी, मुख्तसकरदाह पाने की कदमअजराई तेलंगाना की कुदरती वसाइल का तेलंगाना से ज्यादा दूसरे इलाकों में इस्तेमाल होता है। सिर्फ हैदराबाद से ही, रियासत के लिए पचास फीसदी टैक्स वसूल हो रहा है, लेकिन तेलंगाना के अंदर तरक्की के लिए 20 फीसदी से भी कम टैक्स इस्तेमाल नहीं होता है। 1985 में जारी करदाह जी.ओ. 610 पर आज तक भी अमलआवरी नहीं हुई। जेंटलमैन एग्रीमेंट हो या सदारती हुकुमनामे के अलावा तेलंगाना की तरक्की और आवाम की फलाबहबूद के लिए मरकजी हुकूमत के जो मुआहिदे किए हैं, इस पर भी रियासत में राज करने वाली तमाम सियासी पार्टियों ने इस पर अमल नहीं किया, जिससे तेलंगाना के मुतालिबे में शिद्दत पैदा हो गई, आजादी के बाद से तेलंगाना रियासत का मुतालिबा हो रहा है। मुल्क भी रियासत की तशकीले जदीद के लिए जब फजले अली कमीशन को तशकील किया गया था, तब तेलंगाना की आवाम ने तेलंगाना की रियासत तशकील देने का, फजले अली कमीशन से भी मुतालिबा किया था। फजले अली कमीशन तेलुगू जुबान की बुनियाद पर आंध्र प्रदेश रियासत तशकील देने की सिफारिश की, मगर तेलंगाना रियासत तशकील देने की गुंजाइश रखी। इससे 1969 में जेंटलमेंट एग्रीमेंट का ऐलान होते ही, जय आंध्रा की तेलंगाना के खिलाफ तहरीक शुरू हुई। 1985 में तेलंगाना के एम्पलॉइज के साथ होने वाली नाइंसाफी मौजूए बहस बन गई तब इस वक्त के चीफ मिनिस्टर आन्जहानी एन.टी. रामाराव ने गिरगिरानी कमीशन का तशकील दिया।

(उपसभाध्यक्ष **(डा. ई. एम. सुदर्शन नाच्चीयप्पन)** पीठासीन हुए)

गिरगिरानी कमीशन ने रियासत की इन तमाम सरकारी महमकाजात में तेलंगाना के साथ होने वाली नाइंसाफी का जायजा लेने की बात की। हुकूमत को रिपोर्ट पेश की, जिसके बाद जी.ओ. 610 जारी किया गया, लेकिन अफसोस के साथ कहना पड़ता है कि इस पर आज भी अमलाआवरी नहीं हुई। तेलंगाना मसाइल पसमान्दगी की नाइंसाफी पर तेलंगाना की नुमाइंदगी करने वाले कांग्रेस के अवामी मुंतखिब नुमाइंदे, मरकज से इसके बराबर नुमाइंदगी करते आ रहे हैं। आन्ध्र प्रदेश के काकीनाडा के अन्दर बीजेपी का एक क़ौमी इजलास हुआ था, जिसमें बीजेपी ने "एक वोट दो रियासत" का नारा दिया था। एनडीए ने तीन रियासतों को तशकील दिया, मगर तेलंगाना की आवाम की ख्वाहिशात को फरामोश कर दिया। मरकजी वजीर दाखिला की हैसियत से खिदतम अंजाम देने वाले जनाब एल.के. अडवाणी ने तेलंगाना रियासत की तशकील को गैर जरूरी करार दिया था, लेकिन वही बीजेपी आज पार्लियामेंट में तेलंगाना का बिल पेश करने पर ताईद करने का ऐलान कर रही है। बीजेपी की जेरे कयादत एनडीए की हुकूमत तशकील पर 100 दिन के अन्दर तेलंगाना तशकील देने का वायदा कर रही है। तेलंगाना की आवाम बखूबी इससे वाकिफ है कि बीजेपी तेलंगाना की आवाम के साथ सिर्फ शब्दबाज़ी कर रही है। संघ परिवार तेलंगाना की आड़ में अपने खुफिए एजेंडे पर अमल करते हुए * और सियासी मफादपरस्ती के लिए हिन्दू-मुस्लिम इत्तेहाद को नुकसान पहुंचा रहा है। महबूबनगर असेम्बली की ज़मनी इंतखाबात में मुस्लिम उम्मीदवार को शकिस्त देने के लिए * इसी इलेक्शन को इंडिया-पाकिस्तान का मैच करार दिया गया। ...**(व्यवधान)**...

श्री अविनाश राय खन्ना: सर, ये नाम लेकर बात कर रहे हैं।

THE VICE-CHAIRMAN (DR. E. M. SUDARSANA NATCHIAPPAN): If it is un-parliamentary, we will remove it. ...*(Interruptions)*...

श्री अविनाश राय खन्ना: * ऐसी बात कर रहे हैं। आरएसएस एक देशभक्त संगठन है।

SHRIMATI RENUKA CHOWDHURY: That is his opinion.

THE VICE-CHAIRMAN (DR. E. M. SUDARSANA NATCHIAPPAN): If there is anything un-parliamentary, we wil remove it. ...*(Interruptions)*...

श्री मोहम्मद अली खान: तेलुगु देशम वजारत से अलेहदा होने के बाद चन्द्रशेखर राव गुजिश्ता 11 साल से तेलंगाना के नाम पर * कर रहे हैं। अपने और अराकीने खानदान को फायदा पहुंचा रहे हैं। टी.आर.एस. ने महबूबनगर में मुस्लिम उम्मीदवार को खड़ा किया। एक तरफ मुसलमानों की ताईद हासिल करने की कोशिश की गई, दूसरी तरफ बीजेपी की ताईद से मुस्लिम उम्मीदवार को हटा कर बकरा बनाया गया। ...**(व्यवधान)**...

श्री अविनाश राय खन्ना: सर, हमने "बलि का बकरा" सुना है, "इलेक्शन का बकरा" क्या होता है?

श्री मोहम्मद अली खान: टीआरएस 11 साल से तेलंगाना की आवाम का इस्तेहसाल करते हुए आवाम को * कर रही है। ...**(व्यवधान)**... सेकुलरिज्म का दम भरने वाली टीआरएस पूरी तरह से * ...**(व्यवधान)**...

---

*Expunged as ordered by the Chair.

THE VICE-CHAIRMAN (DR. E. M. SUDARSANA NATCHIAPPAN): Let him continue, please ...*(Interruptions)*...

श्री मोहम्मद अली खान: और तेलंगाना में कोई भी वजूद न रखने वाली बीजेपी को मुस्तहकम होने में टीआरएस मुकम्मल ताव्वुन कर रही है। ...**(व्यवधान)**...

THE VICE-CHAIRMAN (DR. E. M. SUDARSANA NATCHIAPPAN): Let him continue, please ...*(Interruptions)*...

श्री मोहम्मद अली खान: 2004 में कांग्रेस से इत्तेहाद करते हुए सियासी मुस्तकबिल बनाने वाली टीआरएस कांग्रेस को आंखें दिखाने की कोशिश कर रही है। कांग्रेस पार्टी तेलंगाना के खिलाफ नहीं है, लेकिन वह रियासत के तीनों इलाकों को आवाम के लिए काबिले कबूल हल बरआमद करने की कोशिश कर रही है। 9 दिसम्बर को अलहदा तेलंगाना रियासत की तशकील का ऐलान इसका एक सबूत है। 2008 में तेलंगाना की ताईद से करारदाद मंजूर करने वाली तेलुगु देशम पार्टी, जिसने प्रणब मुखर्जी को तेलंगाना की ताईद में मकतूब रवाना किया था, लेकिन अचानक रातों रात फैसले से मुनहरिफ हो गई। इसके चंद दिन बाद प्रजा राज्यम भी तेलंगाना की ताईद से दस्तबरदार हो गई। कांग्रेस ने तेलंगाना के मसले को हल करने के लिए कृष्णा कमेटी तशकील दी। कमेटी ने एक साल में रिपोर्ट पेश की, मगर मसले के हल के लिए कोई राह ही नहीं निकाली।

सर, मेरा अपनी राय है कि कांग्रेस पार्टी हमेशा तेलंगाना की आवाम के मसाइल को हल करने की कोशिश करती है। ...**(व्यवधान)**... आप पहले मेरी बात तो सुनिए, लेकिन मैं एक बात और कहना चाहता हूं। जब बीजेपी सरकार ने तीन रियासतें बनाई थीं, अभी हाल ही में उत्तराखंड के मामले में डिस्कशन हुई, जब तीन रियासतें बनाई गई थीं, अलाहदा रियासतें बनाई गईं, फिर आप स्पेशल स्टेटस की बात कर रहे हैं। ...**(व्यवधान)**...

श्री प्रकाश जावडेकर: हमने तीन राज्य बनाए, आप एक तो बनाओ।

THE VICE-CHAIRMAN (DR. E. M. SUDARSANA NATCHIAPPAN): You have got a chance to reply.

श्री मोहम्मद अली खान: सर, बी.जे.पी. ने तीन रियासतें बनाई थीं। हाल ही में एक हफ्ता पहले उत्तराखंड के लिए स्पेशल स्टेटस के ऊपर डिस्कशन हो रही थी। मैं यह जानना चाहता हूं कि जब बीजेपी ने तीन रियासतें बनाई थीं, तब उस इलाक़े की तरक्की के लिए, उस इलाक़े की आवाम के बहबूद के लिए, उस इलाके के डेवलपमेंट के लिए कुछ नहीं किया जल्दबाजी में जो फैसला किया गया था, आज वहां की आवाम इस फैसले के खिलाफ अपने आप पर मुसीबतें झेल रही है। मैं और मेरी पार्टी तेलंगाना के खिलाफ नहीं है, लेकिन बीजेपी अपना डबल रोल इस्तेमाल करती है – एक तरफ वह कहती है कि हम तेलंगाना की ताईद करेंगे, लेकिन जब इक्तिदार में थी, तो उसने तेलंगाना का साथ नहीं दिया।

दूसरी बात मैं आपसे यह कहना चाहता हूं कि साफ बात है, हमारा एक नस्बुलएन है, हर रियासत को, हर हलक़े को हम डेवलप करना चाहते हैं। मैं कहना चाहूंगा, अगर ये आज तेलंगाना की बात करते हैं, मैं इस हाउस के अन्दर आंध्र प्रदेश से ताल्लुक रखता हूं, लेकिन मैं हिन्दुस्तान की पार्लियामेंट में पार्लियामेंट का एक नुमाइन्दा हूं। मैं यह बात जरूर

कहूंगा, जहां पर छोटी रियासतों की बात आएगी, यूपी में जहां पर चार रियासतों की बात होती है, इस रियासत की बात भी देखनी चाहिए। जहां पर मग़रिबी बंगाल की बात आती है, वहां की छोटी रियासतों की बात होनी चाहिए, लेकिन मेरी सरकार, कांग्रेस की सदर सोनिया गांधी जी की लीडरशिप में जो फ़ैसला करेगी, मेरा यक़ीन है कि इस पार्टी का जो भी फैसला होगा, सही होगा और मैं इसकी ताईद करूंगा। इस हाउस के जरिए मेरी असीरे तकमील है, आन्ध्र प्रदेश के स्टुडेंट्स के लिए आप इस एजिटेशन में सियासी पार्टियों, बीजेपी, तेलगू देशम और टीआरएस के बहकावे में आकर आप खुदकुशी कर रहे हैं। मैं इस सदन में दोनों हाथ जोड़कर अदबन आपको सलाम करके, आपसे खुदा और भगवान के नाम पर अपील करता हूं कि आप खुदकुशी करना बंद करें। कांग्रेस मौक़े का फायदा नहीं उठाती, कांग्रेस आवाम के साथ है और उसको आगे रखकर फैसला करती है, रियासत की डेवलपमेंट के लिए काम करती है।

मैं फिर एक बात जरूर करूंगा कि वाक़ई वो दिन थे, जब 2004 के बाद यूपीए सरकार ने मनमोहन सिंह जी की वजारत में, सोनिया गांधी की लीडरशिप में, राजशेखर रेड्डी की क़यादत में आन्ध्र प्रदेश में जितना डेवलपमेंट हुआ, हिन्दुस्तान की तारीख़ गवाह रहेंगी कि कभी इतना डेवलपमेंट नहीं हुआ लेकिन, बीजेपी और तेलगू देशम ने उसको बर्दाश्त नहीं किया। अपने सियासी एजेंडे के जरिए, उसको रोक कर पूरा तबाह और बर्बाद किया।

मैं यह बात भी सरकार को कहना चाहता हूं और मैं अदबन दरख़ास्त करूंगा कि जब आप इस मसले को हल करेंगे, यूपीए की सरकार से अलायदा रियासत के तेलंगाना की तशकील में या छोटी रियासतों की तशकील में जब आप बात करेंगे, तो आपको देखना पड़ेगा कि हिन्दुस्तान की सालमियत, हिन्दुस्तान की बकायत और हिन्दुस्तान की यकजहती को सामने रख कर आप फैसला करें। आपने मुझे मौका दिया इसके लिए मैं आपका बहुत-बहुत शुक्रिया अदा करता हूं। जय हिन्द।

† **جناب محمد علی خان (آندھرا پردیش)** : اپ سبھا ادھیکش جی، آپ کا بہت بہت شکریہ، آج تلنگانہ کے مسئلے پر اس راجیہ سبھا میں ایک بحث ہو رہی ہے۔ تلنگانہ مسئلہ پچاس سال کی ایک تاریخ رکھتا ہے۔ تلنگانہ کا سب سے بڑا مسئلہ پسماندگی، ملازمتوں میں ناانصافی، مختص کردہ پانی کی عدم اجرائی، تلنگانہ کے قدرتی وسائل کا تلنگانہ سے زیادہ دوسرے علاقوں میں استعمال ہوتا ہے۔ صرف حیدرآباد سے ہی، ریاست کے لئے پچاس فیصد ٹیکس وصول ہو رہا ہے، لیکن تلنگانہ کے اندر ترقی کے لئے 20 فیصدی سے بھی کم ٹیکس استعمال نہیں ہو تا ہے۔ 1985 میں جاری کردہ جی۔او۔ 610 پر آج تک بھی عمل آوری نہیں ہوئی۔ جینٹلمین ایگریمینٹ ہو یا صدارتی حکم نامہ کے علاوہ تلنگانہ کی ترقی اور عوام

†Transliteration in Urdu Script.

[श्री मोहम्मद अली खान]

کی فلاح و بہبود کے لئے مرکزی حکومت کے جو معاہدے کئے ہیں، اس پر بھی ریاست میں راج کرنے والی تمام سیاسی پارٹیوں نے اس پر عمل نہیں کیا، جس سے تلنگانہ کے مطالبے میں شدّت پیدا ہو گئی، آزادی کے بعد سے تلنگانہ ریاست کا مطالبہ ہو رہا ہے۔ ملک میں ریاست کی تشکیل جدید کے لئے جب فضل علی کمیشن کو تشکیل دیا گیا، تب تلنگانہ کی عوام نے تلنگانہ کی ریاست تشکیل دینے کا، فضل علی کمیشن سے بھی مطالبہ کیا تھا۔ فضل علی کمیشن تیلگو زبان کی بنیاد پر آندھرا پردیش ریاست تشکیل دینے کی سفارش کی، مگر تلنگانہ ریاست تشکیل دینے کی بھی گنجائش رکھی۔ اس سے 1969 میں جینٹلمینٹ ایگریمنیٹ کا اعلان ہوتے ہی، 'جےآندھرا' کی تلنگانہ کے خلاف تحریک شروع ہوئی۔ 1985 میں تلنگانہ کے ایمپلائز کے ساتھہ ہونے والی ناانصافی موضوع بحث بن گئی، تب اس وقت کے چیف منسٹر آنجہانی این۔ٹی۔راماراؤ نے گرگلانی کمیشن کو تشکیل کیا

(اپ سبھا ادھیکش (ڈاکٹر ای۔ایم سدرشن نچّیپّن) پیٹھاسین ہوئے)

گرگلانی کمشین نے ریاست کی ان تمام سرکاری محکمہ جات میں تلنگانہ کے ساتھہ ہونے والی ناانصافی کا جائزہ لینے کی بات کی۔ حکومت کی رپورٹ پیش کی، جس کے بعد جی۔او۔ 610 جاری کیا گیا، لیکن افسوس کے ساتھہ کہنا پڑتا ہے کہ اس پر آج تک بھی عمل آوری نہیں ہوئی۔ تلنگانہ کے مسائل پسماندگی کی ناانصافی پر تلنگانہ کی نمائندگی کرنے والے کانگریس کے عوامی منتخب نمائندے، مرکز سے اس کے برابر نمائندگی کرتے آ رہے ہیں۔

آندھرا پردیش میں کاکی-ناڑا کے اندر بی۔جے۔پی۔ کا ایک قومی اجلاس ہوا تھا، جس میں بی۔جے۔پی۔ نے "ایک ووٹ دو ریاست" کا نعرہ دیا تھا۔ این۔ڈی۔اے۔

نے تین ریاستوں کو تشکیل دیا، مگر تلنگانہ کی عوام کی خواہشات کو فراموش کر دیا۔ مرکزی وزیر داخلہ کی حیثیت سے خدمت انجام دینے والے جناب ایل۔کے۔ایڈوانی نے تلنگانہ ریاست کی تشکیل کو غیر ضروری قرار دیا تھا، لیکن وہی بی۔جے۔پی۔ آج پارلیمنٹ میں تلنگانہ کا بل پیش کرنے پر تائید کرنے کا اعلان کر رہی ہے۔ بی۔جے۔پی۔ کی زیر قیادت این۔ڈی۔اے کی حکومت، تشکیل پر 100 دن کے اندر تلنگانہ تشکیل دینے کا وعدہ کر رہی ہے۔ تلنگانہ کی عوام بخوبی اس سے واقف ہے کہ بی۔جے۔پی۔ تلنگانہ کی عوام کے ساتھ صرف شبد بازی کر رہی ہے۔ سنگھ پریوار تلنگانہ کی آڑ میں اپنے خفیہ ایجنڈے پر عمل کرتے ہوئے * اور سیاسی مفاد پرستی کے لئے ہندو-مسلم اتحاد کو نقصان پہنچا رہا ہے۔ محبوب نگر اسمبلی کی ضمنی انتخابات میں مسلم امیدوار کو شکست دینے کے لئے * اسی الیکشن کو انڈیا-پاکستان کا میچ قرار دیا گیا۔ ---(مداخلت)---†

THE VICE-CHAIRMAN (DR. E. M. SUDARSANA NATCHIAPPAN): If it is un-parliamentary, we will remove it. ...*(Interruptions)*...

SHRIMATI RENUKA CHOWDHURY: That is his opinion.

THE VICE-CHAIRMAN (DR. E. M. SUDARSANA NATCHIAPPAN): If there is anything un-parliamentary.

جناب محمد علی خان :تیگو دیشم وزارت سے علیحدہ ہونے کے بعد ٹی۔آر۔ایس۔ چندر شیکھر راؤ گزشتہ 11 سال سے تلنگانہ کے نام پر * کر رہے ہیں۔ اپنے اور اراکین خاندران کو فائدہ پہنچا رہے ہیں، ٹی۔آر۔ایس۔ نے محبوب نگر میں مسلم امیدوار کو کھڑا کیا۔ ایک طرف مسلمانوں کی تائید حاصل کرنے کی کوشش کی گئی، دوسری طرف بی۔جے۔پی۔ کی تائید سے مسلم امیدوار کو ہرا کر بکرا بنایا گیا ---(مداخلت)--- ٹی آر ایس 11 سال سے تلنگانہ کی عوام کا استحصال کرتے ہوئے عوام کے ساتھ * کر رہی ہے ---(مداخلت)--- سیکولرزم کا دم بھرنے والی ٹی۔آر۔ایس۔ * کے ساتھ ہو گئی ہے---(مداخلت)---

*Expunged as ordered by the Chair.
†Transliteration in Urdu Script.

THE VICE-CHAIRMAN (DR. E. M. SUDARSANA NATCHIAPPAN): Let him continue, please ...*(Interruptions)*...

†

THE VICE-CHAIRMAN (DR. E.M. SUDARSANA NATCHIAPPAN): Let him continue, please ...*(Interruptions)*...

† **جناب محمد علی خان** : 2004 میں کانگریس سے اتحاد کرتے ہوئے سیاسی مستقبل بنانے والی ٹی۔آر۔ایس۔ کانگریس کو آنکھہ دکھانے کی کوشش کر رہی ہے۔ کانگریس پارٹی تلنگانہ کے خلاف نہیں ہے، لیکن وہ ریاست کے تینوں علاقوں کو عوام کے لئے قابل قبول حل برآمد کرنے کی کوشش کر رہی ہے۔ 9 دسمبر کو علیحدہ تلنگانہ ریاست کی تشکیل کا اعلان اس کا ایک ثبوت ہے۔ 2008 میں تلنگانہ کی تائید سے قرارداد منظور کرنے والی تیلگو دیشم پارٹی، جس نے پرنب مکھرجی کو تلنگانہ کی تائید میں مکتوب روانہ کیا تھا، لیکن اچانک راتوں رات فیصلے سے منحرف ہوگئی۔ اس کے چند دن بعد پرجاراجیم بھی تلنگانہ کی تائید سے دستبردار ہو گئی۔ کانگریس نے تلنگانہ کے مسئلے کو حل کرنے کے لئے شری کرشنا کمیٹی تشکیل دی۔ کمیٹی نے ایک سال میں رپورٹ پیش کی، مگر مسئلے کے حل کے لئے کوئی راہ ہی نہیں نکالی۔

THE VICE-CHAIRMAN (DR. E. M. SUDARSANA NATCHIAPPAN): You have got a chance to reply.

---

†Transliteration in Urdu Script.

† **جناب محمد علی خان** : سر، بی۔جے۔پی۔ نے تین ریاستیں بنائی تھیں۔ حال ہی میں ایک ہفتہ پہلے اتراکھنڈ کے لئے اسپیشل اسٹیٹس کے اوپر ڈسکشن ہو رہا تھا۔

میں یہ جاننا چاہتا ہوں کہ جب بی۔جے۔پی۔ نے تین ریاستیں بنائی تھیں، تب اس علاقے کی ترقی کے لئے، اس علاقے کی عوام کی بہبود کے لئے، اس علاقے کے ڈیولپمینٹ کے لئے کچھ نہیں کیا، جلدبازی میں جو فیصلہ کیا گیا تھا، آج وہاں کی عوام اس فیصلے کے خلاف اپنے آپ پر مصیبتیں جھیل رہی ہے۔ میں اور میری پارٹی تلنگانہ کے خلاف نہیں ہے، لیکن بی۔جے۔پی۔ جو اپنا ڈبل رول استعمال کرتی ہے ایک طرف وہ کہتی ہے کہ ہم تلنگانہ کی تائید کریں گے، لیکن جب اقتدار میں تھی، تو اس نے تلنگانہ کا ساتھ نہیں دیا۔

دوسری بات میں آپ سے یہ کہنا چاہتا ہوں کہ صاف بات ہے، ہمارا نصب العین ہے، ہر ریاست کو، ہر حلقے کو ہم ڈیولپ کرنا چاہتے ہیں ---(مداخلت)--۔ میں کہنا چاہوں گا، اگر یہ تلنگانہ کی بات کرتے ہیں، میں اس ہاؤس کے اندر آندھرا پردیش سے تعلق رکھتا ہوں، لیکن میں ہندوستان کی پارلیمنٹ میں پارلیمنٹ کا ایک نمائندہ ہوں۔ میں یہ بات ضرور کہوں گا، جہاں پر چھوٹی ریاستوں کی بات آئے گی، یو۔پی۔ میں جہاں پر چار ریاستوں کی بات ہوتی ہے، اس ریاست کی بات بھی دیکھنی چاہئے۔ جہاں پر مغربی بنگال کی بات آتی ہے، وہاں بھی چھوٹی ریاستوں کی بات ہونی چاہئے، لیکن میری سرکار، کانگریس کی صدر سونیا گاندھی جی کی لیڈرشپ میں جو فیصلہ کرے گی، میرا یقین ہے کہ اس پارٹی کا جو بھی فیصلہ ہوگا، صحیح ہوگا۔ اور میں اس کی تائید کروں گا۔ اس ہاؤس کے ذریعے میری اپیل ہے، آندھرا پردیش کے اسٹوڈینٹس کے لئے، آپ اس ایجیٹیشن میں سیاسی پارٹیوں، بی۔جے۔پی۔ تیلگو دیشم اور ٹی۔آر۔ایس۔ کے بہکاوے میں آکر آپ خودکشی کر رہے ہیں۔ میں اس سدن میں دونوں ہاتھ جوڑ کر، ادب سے آپ کو سلام کرکے، آپ سے خدا اور بھگوان کے نام پر اپیل کرتا ہوں کہ آپ خودکشی کرنا بند کریں۔ کانگریس موقع کا فائدہ نہیں اٹھاتی، کانگریس عوام کے ساتھ ہے اور اس کو آگے رکھ کر فیصلہ کرتی ہے،ریاست کی ڈیولپمینٹ کے لئے کام کرتی ہے۔

میں پھر ایک بات ضرور کروں گا کہ واقعی وہ دن تھے، جب 2004 کے بعد یو۔پی۔اے۔ سرکار نے منموہن سنگھ جی کی وزارت میں، سونیا گاندھی کی لیڈرشپ میں، راج شیکھر ریڈّی کی قیادت میں آندھرا پردیش میں جتنا ڈیولپمینٹ ہوا، ہندوستان کی تاریخ گواہ رہے گی کہ کبھی اتنا ڈیولپمینٹ ریاست میں نہیں ہوا۔ لیکن، بی۔جے۔پی۔ اور تیلگو دیشم پارٹی نے اس کو برداشت نہیں کیا۔ اپنے سیاسی ایجنڈے کے ذریعے، اس کو روک کر پورا تباہ اور برباد کیا۔

میں یہ بات بھی سرکار کو کہنا چاہتا ہوں اور میں ادب سے درخواست کروں گا کہ جب آپ اس مسئلے کو حل کریں گے، یو۔پی۔اے۔ سرکار سے علیحدہ ریاست کے تلنگانہ کی تشکیل میں یا چھوٹی تشکیل میں جب آپ بات کریں گے، تو آپ کو دیکھنا پڑے گا کہ ہندوستان کی سالمیت، ہندوستان کی بقائیت اور ہندوستان کی یکجہتی کو سامنے رکھ کر آپ فیصلہ کریں۔ آپ نے مجھے موقع دیا اس کے لئے میں آپ کا بہت بہت شکریہ ادا کرتا ہوں۔ جے ہند۔

श्री नंद कुमार साय (छत्तीसगढ़): धन्यवाद, उपसभाध्यक्ष जी, तेलंगाना राज्य बनना चाहिए, इसके लिए प्रकाश जावडेकर जी ने एक रेज़ोल्यूशन प्रस्तुत किया है। मैं इसका समर्थन करने के लिए खड़ा हुआ हूं।

उपसभाध्यक्ष जी, मैं छत्तीसगढ़ राज्य से आता हूं। जो तीन राज्य बने हैं, मध्य प्रदेश से छत्तीसगढ़, बिहार से झारखंड और उत्तर प्रदेश से उत्तराखंड, ये भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने बनाए हैं, जिसकी चर्चा होती है। तेलंगाना में वहां के युवा, महिलाएं, बच्चे सभी परेशान हैं। तेलंगाना राज्य बनाने में आपको क्या तकलीफ है? मैं आपको बताना चाहता हूं, लोगों को यह भ्रम नहीं रहना चाहिए कि छोटे राज्य होंगे तो क्या होगा, पुराना राज्य उससे बिछड़ जाएगा, छूट जाएगा, फिर क्या होगा, आप ऐसी कोई कल्पना मत करिए। आप छत्तीसगढ़ में चले जाइए, मध्य प्रदेश में चले जाइए, दोनों राज्य आगे बढ़ रहे हैं, दोनों राज्यों की प्रगति हो रही है।

उपसभाध्यक्ष जी, छत्तीसगढ़ में जहां पर बड़ा होने के कारण दूर तक कहीं शिक्षा की,

सड़कों की सुविधा या मेडिकल फेसिलिटी पहुंचती नहीं थी। भूगोल की दृष्टि से जो बहुत बड़े राज्य होते हैं, उनमें समग्र विकास की संभावना बनती नहीं है। इसलिए प्रशासन जितना छोटा होता है, उसको नज़दीक तक, दूर तक, किनारे तक पहुंचने में सुविधा रहती है। आज छत्तीसगढ़ के गांवों को आप जा कर देखिए, सबकी रंगत बदली हुई है, सबके कलर चेंज हो गए हैं। वहां कृषि की सिंचाई बहुत अच्छी तरह से हो रही है, सड़कें बहुत अच्छी बन रही हैं, दूर-दूर के गांवों तक मेडिकल फेसिलिटी पहुंच गई है। यही कारण है कि तेलंगाना बनाना बहुत आवश्यक है। तेलंगाना इतना सेंसिटिव है, मैं कांग्रेस पार्टी से पूछना चाहता हूं, आप लोग यह बात कहते हैं कि आपने तीन राज्य बनाए और यह नहीं बनाया। आपके राज के समय नहीं बनाया। उस समय वह नहीं बना, लेकिन अभी तो आप इसे बनाकर दिखाओ। भारतीय जनता पार्टी साथ में है। आप क्यों परेशान होते हो? एक तो बनाकर आप दिखाओ।

सर, हमारा आन्ध्र प्रदेश कितना सुन्दर प्रदेश है। ...**(व्यवधान)**... उसका एक भू-भाग, जो तेलंगाना है, वहां पर नदियां हैं और सब कुछ है। वहां चारों तरफ नदियां हैं, अच्छी जमीन है, मेहनत करने वाले किसान और मजदूर हैं। वहां अच्छी पढ़ाई करने वाले विद्यार्थी भी हैं, जो प्रगति करना चाहते हैं। इस राष्ट्र को महान बनाने में तेलंगाना की बहुत बड़ी भूमिका हो सकती है। ...**(व्यवधान)**... इसीलिए, मैं आप सब से कहना चाहता हूं कि इसको राजनीति के चक्कर और भंवर में मत डालिए। वहां बच्चे किस तरह से आत्महत्या कर रहे हैं और वहां पढ़ने वाले बच्चों की कैसी दुर्दशा है? महोदय, आज यह जो discussion हो रहा है, उस पर मैं आपको बताना चाहता हूं कि भारत की पसंद क्या कर रही है, यू.पी.ए. की सरकार क्या फैसला करने वाली है, वहां के सब लोग, जिस तरह से पहले रामायण देखते थे, उसी तरह से गांव-गांव में वे यह सारा कुछ देख रहे हैं। इस भावना को आप समझने की कोशिश करिए। जिस दिन तेलंगाना के सम्बन्ध में यहां पर चर्चा होती है, एक लाइन की भी, तो वहां के गांव-गांव में उस पर चिन्तन होता है, वहां पर उसकी चर्चा होती है। इसलिए, बड़ी उम्मीद के साथ इस संसद की ओर तेलंगाना का एक-एक बच्चा, एक-एक महिला, गांव-गांव, शहर-शहर, सब ध्यान लगाकर, टकटकी लगाए देख रहे हैं। उपसभाध्यक्ष जी, मैं पूछना चाहता हूं कि कांग्रेस क्यों दुविधा में पड़ी हुई है? आपने पहले एक बार उसकी घोषणा भी कर दी कि तेलंगाना राज्य बनाया जाएगा, लेकिन उसके बाद पता नहीं क्या चर्चा हुई या क्या मामला हुआ, उसमें फिर गड़बड़ कर दी और बोले कि नहीं, इसे बाद में देखेंगे। घोषणा हो गई कि राज्य बनाना है, लेकिन उसे बनाने की घोषणा करने के बाद ऐसी कोई बात थोड़े ही होती है। आप चिन्ता मत कीजिए। तेलंगाना और आन्ध्र प्रदेश, ये दोनों प्रसिद्ध और समृद्ध राज्य बनेंगे, दोनों की अच्छी प्रगति होगी। इस बात को ध्यान में रखकर तेलंगाना राज्य के निर्माण की सारी प्रक्रिया आप शुरू कीजिए। वहां के गांव-गांव में इतने दिनों से जो आत्महत्याएं हो रही हैं, लोग परेशान हो रहे हैं, आप उसे रोको और यहां पर इसके लिए तुरंत एक बिल लाओ।

हम सारे लोग, मैं समझता हूं कि भारतीय जनता पार्टी के जितने लोग बैठे हैं, सब शुक्रवार को रुक कर के इसलिए बैठे हैं कि आप कोई-न-कोई बात करेंगे और कोई निर्णय की स्थिति में पहुंचेंगे। उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड की स्थिति बहुत अच्छी है। उत्तराखंड एक नया राज्य बनाया गया है। उसकी भी अच्छी प्रगति हो रही है। ये सारे उदाहरण हमारे सामने हैं। इसलिए, आपसे मैं कहना चाहता हूं कि इसको राजनीति का विषय मत बनाओ।

[श्री नंद कुमार साय]

वैसे ही बहुत समय हो गया है, अब और समय इसमें मत लो। कांग्रेस की जो दुर्गति हो रही है, वह इन्हीं गलत नीतियों के कारण हो रही है, इसलिए अब आप खबरदार हो जाओ। अगर इस तरह से लोगों को * दिया और घोषणा करने के बाद राज्य नहीं बनाया, तो आगे जो गति होगी या जो दुर्गति होने वाली है, उसकी तैयारी करके रखो। मैं निवेदन करता हूं और कांग्रेस के जितने लोग यहां पर बैठे हैं, मंत्री भी बैठे हैं और बड़े सीनियर लीडर्स भी बैठे हैं, उनसे मैं कहना चाहता हूं कि जल्दी से फैसला कराओ। पार्टी के अन्दर भी बातचीत करो, इसको रखो और कोशिश करो कि यह जो दो का समय अभी हमारा बाकी है, ...**(व्यवधान)**... उसी में इस पर बिल लाओ। आने वाला जो Monday और ...**(व्यवधान)**... Tuesday है, उसमें यह बिल लाओ। भारतीय जनता पार्टी के जितने लोग अब चले गए हैं, उन सब को हम बुलाएंगे और unanimously तेलंगाना राज्य निर्माण करने का प्रस्ताव राज्य सभा में सबसे पहले शुरू किया जाएगा। उसे हम लोग यहां से पारित करेंगे। इसलिए, आप किसी बात की चिन्ता मत करो और उहापोह में मत रहो। आप एक कदम आगे बढ़ते हो, तो फिर चार कदम पीछे हटते हो। पहले आप घोषणा कर देते हो और फिर * जाते हो, यह ठीक नहीं है। तेलंगाना राज्य आज बहुत महत्वपूर्ण है। तेलंगाना की जो चर्चा आज हो रही है और जितनी उपस्थिति अभी यहां पर है, यह सदन का भी मूड है कि यह राज्य तुरन्त बनना चाहिए। आप लोग भी इसीलिए यहां के, क्योंकि आप भी चाहते हैं। कहां पर क्या तकलीफ़ है, उसको ज़रा निकालो, उसको दूर करो। एक प्रस्ताव लाकर यहां पर तुरन्त उसका निर्णय करके एक यहां बिल आ जाए और सारे मिल कर उसे पास करें। वहां के बच्चों को खुशी देनी है। वहां की महिलाएं जो परेशान हैं और वहां के नौजवान जो परेशान हैं, वे सब प्रतीक्षा कर रहे हैं कि एक नया तेलंगाना राज्य बनेगा। उसकी प्रगति के लिए सारे परेशान हैं। ...**(व्यवधान)**... महिला जगत भी इसकी चिन्ता करे। इसीलिए, माननीय उपसभाध्यक्ष जी, मैं आपसे निवेदन करता हूं कि यह तेलंगाना राज्य हर हालत में बनना चाहिए। यह इसी सत्र में पारित होना चाहिए। आज जो समय निकल गया है, लेकिन आज हम लोग चर्चा इसलिए कर रहे हैं, ताकि कांग्रेस अगले दो दिन में अपनी तैयारी करे। दो दिन का सयम बहुत होता है। यह समय कम नहीं है, दो दिन में तो बहुत कुछ हो सकता है, इसलिए आज छुट्टी होने के बाद यहां से घर जाइए, पार्टी के प्रमुख लोगों से मिलिए और उन लोगों से कहिए कि दो दिन में कोई न कोई तैयारी करके आना है और जब सोमवार को हम लोग फिर से मिलें, तो तेलंगाना एक नया राज्य यहां पर लिखा हुआ आ जाए। ...**(व्यवधान)**... उसी की प्रतीक्षा में हम सब लोग उपस्थित हैं। हम लोग कहीं नहीं जाने वाले हैं। ...**(व्यवधान)**... हमने सबको बुला लिया है, हमने चिट्ठी भेजी है कि जो लोग गए हैं, वे लोग तुरंत वापस आ जाएं, क्योंकि सोमवार को कांग्रेस पार्टी विचार कर रही है। आप लोग मेरी बात ध्यान से सुन रहे हैं, इससे मुझे बड़ी प्रसन्नता हो रही है और मैं सोच रहा हूं कि आपके मन में कोई न कोई भावना जरूर पैदा हो रही होगी। ...**(व्यवधान)**...

(उपसभाध्यक्ष **(प्रो. पी. जे. कुरियन)** पीठासीन हुए)

आप तेलंगाना राज्य बनाने के लिए कोई न कोई निर्णय करने वाले हैं। मैं आपसे निवेदन करना चाहता हूं कि यहां से जाने के बाद निश्चित रूप से इसके लिए प्रस्ताव तैयार

---

*Expunged as ordered by the Chair.

कीजिए। अपने नेताओं से मिलिए, प्रधानमत्री जी से मिलिए, गृह मंत्री जी से मिलिए और तेलंगाना का प्रस्ताव बना कर यहां पर प्रस्तुत कीजिए। ऐसा करके आप इस बात को सिद्ध कर दीजिए कि कांग्रेस जो कहती है, उसको करती है। सब लोग मिल कर कहिए, जय तेलंगाना। ...**(व्यवधान)**... यही जय घोष करते हुए आप उसे सोमवार को यहां प्रस्तुत कीजिए।

सर, वह कितना सुन्दर प्रदेश है, वहां कितनी सारी नदियां बहती हैं, इसकी प्रगति हो सकती है। मैं आपको बताऊं,

गंगे च यमुनेश्चैव गोदावरी सरस्वती
नर्मदे सिन्धु कावेरी जलेस्मिनद्य सन्निधम् कुरु।।

वहां पर ऐसी नदियां बहने वाली हैं। वह इतना सुन्दर प्रदेश है, उसको जलाइए मत। ...**(व्यवधान)**... वहां मेहनत करने वाले लोग हैं, उस उर्वर भूमि को रचने दीजिए, उस सुंदर भूमि में कुछ न कुछ बनने दीजिए, उस सुंदर भूमि में कुछ न कुछ निर्माण होने दीजिए। उसके निर्माण को मत रोकिए।

महोदय, कांग्रेस पार्टी विचार करेगी, तय करेगी और सोमवार को एक बिल लाकर यहां प्रस्तुत करेगी। जब हम पहुंचेंगे, यहां शामिल होंगे, तब हमको बड़ा अच्छा लगेगा। ...**(व्यवधान)**... सोमवार को एक बिल लाइए और हम लोग तेलंगाना राज्य बनाने की घोषणा करेंगे। इस तरह से एक नया राज्य बनेगा। उस धरती पर एक सुंदर राज्य का निर्माण होगा। मैं इस आशा और विश्वास के साथ आपसे निवेदन करूंगा कि इसमें आपका भी उपयोग होगा और जब आप चेयर पर बैठेंगे, तब तेलंगाना का नया बिल प्रस्तुत होगा, सोमवार को वह प्रस्तुत होगा और एक नया राज्य बनेगा। कांग्रेस वाले इस सुंदर कल्पना को, सुंदर रचना को साकार करेंगे और अगर नहीं करेंगे, तो उसकी परिणिति के लिए तैयार रहेंगे। ...**(व्यवधान)**...

श्रीमती रेणुका चौधरी: आपको शायद पता नहीं है ...**(व्यवधान)**... मैं भी तेलंगाना राज्य की ही महिला हूं ...**(व्यवधान)**... वहां पर ऐसा कुछ नहीं है, जैसा आप बता रहे हैं। ...**(व्यवधान)**...

श्री नंद कुमार साय: यदि आप ऐसा नहीं करेंगे, तो आप कहीं के नहीं रहेंगे, किसी काम के लायक नहीं रहेंगे, इसलिए आप सब लोग मिल कर तेलंगाना राज्य के लिए तैयारी कीजिए। इसी आशा और विश्वास के साथ मैं अपनी बात समाप्त करता हूं। महोदय, आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया, इसके लिए मैं आपका धन्यवाद करते हुए अपनी बात समाप्त करता हूं। जय तेलंगाना, जय तेलंगाना, जय तेलंगाना।

SHRI PRAKASH JAVADEKAR: Mr. Vice-Chairman, Sir, I have moved a Resolution. The House is intensely debating this issue, but there is a time limit up to five o'clock. So, I request that it should continue in the next Session also, because otherwise, it will lapse. If it lapses, then, Telangana people will be very much disturbed. Everybody wants to speak. Telangana people also want to listen to the debate. We must come to a conclusion. Sir, democracy is all about discussion. That is why, I propose that if it is not concluded by five o'clock, it should continue in the next Session also. It is a very important issue. Please allow this.

SHRI RAJEEV SHUKLA: Sir, this discussion can continue. We haven't got any objection.

THE VICE-CHAIRMAN (PROF. P. J. KURIEN): Even though the direction of the Chair is two-and-a-half hours, ultimately, it is the sense of the House. Since both sides agree, the Chair has no objection in continuing it in the next Session. Then, today, it will continue till five o'clock. So, as per the decision of the House, I have given the ruling that it will continue. Now Shrimati Gundu Sudharani.

SHRIMATI GUNDU SUDHARANI: *Thank you Sir, for giving me this opportunity to speak on this bill. I also thank my colleague Shri Prakash Javdekar for introducing Private Member's Bill on Telangana. Before I speak I would like to associate with the views of our leader Shri Devender Goud. Sir, demand for separate Telangana state is the wish of 4 crore people of Telangana region. For last 5 decades people of Telangana agitated for the cause of Telangana, but respective Governments wasted time in the name of Committees. Demand for Telangana not only reflects struggle for development and livelihood, but also reflects self-respect and sentiments of people of Telangana. There is a need to take up this issue with special attention.

But the feelings, opinions and aspirations of Telangana people were neglected by the Congress Government. They delayed decision making in the name of Committees and this resulted in worsening the situation in Telangana. Now, this region is simmering with sentiments. If we look at the history, the Governments till UPA-2, betrayed people of Telangana on the issue. After the sacrifice of 4000 lives in armed struggle, Hyderabad state was achieved. But, before the fruits of success could be enjoyed, it was merged with the Andhra state in 1956 against the recommendations of 1st SRC. After that, Gentlemen's Agreement was formulated in which it was decided to protect the feelings and opinions of people of Telangana. This was followed by Fazal Ali Commission's recommendations. But, none of these recommendations were implemented. Interests of Telangana were totally neglected. This attitude resulted in a bigger movement in 1969. During this agitation, 400 persons sacrificed their lives to bullets. Shri Chenna Reddy formed 'Telangana Praja Samithi' and won 11 Lok Sabha seats in 1971 elections. Shri Chenna Reddy Was managed by then Congress Government by offering him Chief Minister's post and 'Telangana Praja Samithi' was merged with Congress Party. This is how Congress Government repeatedly betrayed people of Telangana. This policy is being followed by this Government even today. In 1973, six point formula was prescribed but they were not to be implemented.

---

*English translation of the Original speech delivered in Telugu.

5.00 P.M.

Even though two perennial rivers Krishna and Godavari run through Telangana, there is scarcity of water due to unequal distribution of water. People of this region could not afford two square meal and lakhs of people started migrating to countries like Muscat and Dubai. And, they are leading a pathetic life. Though, this region is having natural resources like water and coal, it is deprived of development due to unequal distribution. This is the main reason behind demand for separate Telangana state. There is no National Project in this region. The water which we were getting through SRS Project is being taken away by Maharashtra state by constructing Bobli Project. Neither the State Government nor the Central Government is doing anything to save Telangana from water deprivation.

There is no clarity in Pranahitha and Chevella Projects. There is a need to declare these projects as the National Projects. These inequalities force lakhs of youth from thousands of villages to participate in Telangana Movement.

The power that is being generated by Simhadri Project is being supplied to Andhra region, whereas the power generated by Ramagundam Power Project, only 27% is supplied to this region and remaining goes to National Grid. In Education sector also this region is backward. Though this region has good number of educational institutes, the people of Telangana cannot afford education in these institutes.

THE VICE-CHAIRMAN (PROF. P. J. KURIEN): Shrimati Sudharani, the time for debate is over. The Resolution would be taken up on the next day allotted for Private Members' Business.

SHRI DEVENDER GOUD T.: Sir, I wish to make one small submission.

THE VICE-CHAIRMAN (PROF. P. J. KURIEN): Let me complete. Please sit down, Mr. Goud. I am making a statement.

The Resolution would be taken up in the next Session as the first item on the day allotted for Private Members' Business. Shrimati Sudharani, if your speech is not over, you will be the first speaker on the day it is taken up.

SHRI DEVENDER GOUD T.: Sir, I wish to make one small submission.

THE VICE-CHAIRMAN (PROF. P. J. KURIEN): Private Members' Business is over. Nothing about Private Members' Business would be taken up.

THE VICE-CHAIRMAN (PROF. P. J. KURIEN): If it is anything about the Private Members' Business, let me tell you, it is over.

SHRI DEVENDER GOUD T.: *

THE VICE-CHAIRMAN (PROF. P. J. KURIEN): That is up to the Government. They would reply. ...*(Interruptions)*... That is not going on record. ...*(Interruptions)*... This is not going on record because Private Members 'Business is over. ...*(Interruptions)*... It is not going on record. Please listen. ...*(Interruptions)*... Now, Special Mentions. Shri Tarun Vijay; you may read your Special Mention if you want to.

THE VICE-CHAIRMAN (PROF. P. J. KURIEN): This is not the time for Private Members' Business. So, Mr. Goud, whatever you have said will not go on record. Mr. Tarun Vijay.

SHRI DEVENDER GOUD T.:*

THE VICE-CHAIRMAN (PROF. P. J. KURIEN): No, please. ...*(Interruptions)*...

SPECIAL MENTIONS - *contd.*

Demand to address the problem of potable water and erect a memorial of Sher Ali Khan in place of Lord Mayo in Port Blair, Andaman and Nicobar Islands

SHRI TARUN VIJAY (Uttarakhand): Sir, the Andaman and Nicobar Islands have a great place of respect in our heart. I appreciate Lt. Governor Gen. Bhopender Singh's efforts at development. Yet, he needs more Central help. There is no road connectivity between the various islands. All islands, 500 of them, are named after the British. The people are demanding their renaming, after Indian revolutionaries. There are security concerns also. The Indian Coast Guard had apprehended 135 Bangladeshis on 3rd April, 2012, in the Andaman Sc Nicobar Islands. A home to great tribes like *Jarawas,* people live in severe water shortage and often the water supply is limited to twenty minutes to half-an-hour in one week, during the peak shortage period. There is no desalination plant till this date, though the British had one even a hundred years ago.

The only existing reservoir at Dhanikhari fails to meet the demand of potable water. I demand that construction of an estuarine reservoir at Flat Bay may please be taken up on a war-footing. I also demand that the Government should erect a memorial of Sher Ali Khan, who had killed Lord Mayo, the Viceroy of India, on 8th of February, 1872, and had been given the death penalty on the 11th of March, 1873. The people in the Andamans are deeply perturbed over the fact that a memorial of Lord Mayo had been erected post-Independence, but no memorial for the revolutionary, Sher Ali Khan, who had acted to take revenge against the British, had ever been erected.

*Not recorded.